THE RESEARCH DIALOGUE
An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
© The Research Dialogue | Volume-05 | Issue-01 | April-2026
Available online at: https://theresearchdialogue.com/

स्वच्छ भारत अभियान : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

मनीषा तेजियान[1], डॉ० बबीता गोयल[2]

[1]परास्नातक शोधार्थिनी- राजनीति विज्ञान, ताराचंद वैदिक पुत्री डिग्री कॉलेज, मुजफ्फरनगर

[2]शोध निर्देशिका, एसिस्टेंट प्रोफेसर -राजनीति विज्ञान, ताराचंद वैदिक पुत्री डिग्री कॉलेज, मुजफ्फरनगर

सारांश (Abstract)

स्वच्छता किसी भी राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास का महत्वपूर्ण आधार होती है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में स्वच्छता की समस्या लंबे समय तक गंभीर चुनौती बनी रही। खुले में शौच, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की कमी, गंदगी तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता का अभाव देश के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालते रहे। इन समस्याओं के समाधान हेतु भारत सरकार ने 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर "स्वच्छ भारत अभियान" की शुरुआत की। इस अभियान का उद्देश्य भारत को स्वच्छ एवं खुले में शौच से मुक्त बनाना था।

इस शोध-पत्र में स्वच्छ भारत अभियान की पृष्ठभूमि, उद्देश्य, कार्यान्वयन प्रक्रिया, उपलब्धियाँ, चुनौतियाँ तथा सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है। अध्ययन से स्पष्ट होता है कि इस अभियान ने स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने, शौचालय निर्माण, महिलाओं की सुरक्षा तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हालांकि, व्यवहार परिवर्तन, कचरा प्रबंधन और शौचालयों के रखरखाव जैसी चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। इस शोध-पत्र का उद्देश्य स्वच्छ भारत अभियान की वास्तविक स्थिति का समग्र मूल्यांकन प्रस्तुत करना है।

मुख्य शब्द: स्वच्छता, स्वच्छ भारत अभियान, खुले में शौच, कचरा प्रबंधन, सार्वजनिक स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास

1. प्रस्तावना

स्वच्छता मानव जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं में से एक है। यह न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य से जुड़ी होती है बल्कि समाज, पर्यावरण और राष्ट्र के विकास से भी संबंधित होती है। किसी भी देश की प्रगति का आकलन उसकी स्वच्छता व्यवस्था से किया जा सकता है। यदि किसी देश में स्वच्छता का स्तर अच्छा हो तो वहां के नागरिक स्वस्थ, उत्पादक एवं जागरूक होते हैं। इसके विपरीत गंदगी, प्रदूषण और अस्वच्छ वातावरण अनेक बीमारियों को जन्म देते हैं तथा आर्थिक विकास को बाधित करते हैं।

भारत में लंबे समय तक स्वच्छता संबंधी समस्याएँ गंभीर बनी रहीं। ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में शौच की परंपरा, शहरी क्षेत्रों में कचरे का अनुचित निपटान, नालियों की खराब स्थिति और स्वच्छता के प्रति जागरूकता की कमी प्रमुख समस्याएँ थीं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्टों के अनुसार अस्वच्छता के कारण भारत में डायरिया, मलेरिया, टाइफाइड और अन्य संक्रामक रोगों का प्रसार होता रहा है। इन समस्याओं का सबसे अधिक प्रभाव गरीब एवं ग्रामीण वर्ग पर पड़ा।

महात्मा गांधी ने स्वच्छता को स्वतंत्रता से भी अधिक महत्वपूर्ण बताया था। उनका मानना था कि स्वच्छ समाज ही स्वस्थ और विकसित समाज का निर्माण कर सकता है। गांधीजी के इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए भारत सरकार ने 2 अक्टूबर 2014 को "स्वच्छ भारत अभियान" प्रारंभ किया। इस अभियान का उद्देश्य केवल सफाई करना नहीं था, बल्कि लोगों की सोच और व्यवहार में परिवर्तन लाना भी था।

स्वच्छ भारत अभियान को दो भागों में विभाजित किया गया—स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)। ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय निर्माण और खुले में शौच की समाप्ति पर बल दिया गया, जबकि शहरी क्षेत्रों में ठोस कचरा प्रबंधन, सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण और सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर ध्यान दिया गया।

यह अभियान विश्व का सबसे बड़ा स्वच्छता कार्यक्रम माना जाता है। इसमें सरकार के साथ-साथ नागरिकों, पंचायतों, नगर निकायों, विद्यालयों, स्वयंसेवी संगठनों और मीडिया की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई। इस शोध-पत्र में स्वच्छ भारत अभियान के विभिन्न पहलुओं का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

2. स्वच्छ भारत अभियान की पृष्ठभूमि

भारत में स्वच्छता सुधार के लिए स्वच्छ भारत अभियान से पहले भी कई योजनाएँ लागू की गई थीं। वर्ष 1986 में केंद्रीय ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम प्रारंभ किया गया था। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय निर्माण को बढ़ावा देना था। इसके बाद 1999 में "टोटल सैनिटेशन कैंपेन" शुरू किया गया। वर्ष 2012 में इसका नाम बदलकर "निर्मल भारत अभियान" कर दिया गया। हालांकि, ये योजनाएँ अपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं कर सकीं।

इन योजनाओं की असफलता के पीछे कई कारण थे। सबसे बड़ा कारण लोगों में जागरूकता की कमी थी। बहुत से लोग शौचालयों का उपयोग आवश्यक नहीं मानते थे। दूसरी ओर, सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन भी प्रभावी ढंग से नहीं हो पाया। कई क्षेत्रों में बनाए गए शौचालय उपयोग के योग्य नहीं थे। इसके अतिरिक्त, निगरानी व्यवस्था कमजोर थी और जनभागीदारी का अभाव था।

2014 में भारत सरकार ने स्वच्छता को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में स्वीकार किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से अपने संबोधन में स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने की अपील की। इसके बाद 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान का लक्ष्य 2 अक्टूबर 2019 तक भारत को खुले में शौच से मुक्त बनाना था।

स्वच्छ भारत अभियान ने पूर्व की योजनाओं से अलग रणनीति अपनाई। इसमें केवल शौचालय निर्माण पर ही नहीं, बल्कि व्यवहार परिवर्तन, जन-जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इसके लिए सोशल मीडिया, विज्ञापन, विद्यालय कार्यक्रम, रैलियाँ और जनसभाओं का उपयोग किया गया।

3. स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्य

स्वच्छ भारत अभियान के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित थे—

1. खुले में शौच की प्रथा को समाप्त करना।
2. प्रत्येक परिवार को शौचालय उपलब्ध कराना।
3. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता सुविधाओं का विकास।
4. ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन को सुदृढ़ करना।
5. स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना।
6. महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करना।
7. सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और जल स्रोतों को स्वच्छ रखना।

8. स्वच्छता को जन आंदोलन बनाना।

इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सरकार ने व्यापक स्तर पर योजनाएँ तैयार कीं। ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई। शहरी क्षेत्रों में नगर निकायों को कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण हेतु वित्तीय सहयोग दिया गया।

4. स्वच्छ भारत अभियान की कार्यान्वयन प्रक्रिया

स्वच्छ भारत अभियान का क्रियान्वयन केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के सहयोग से किया गया। इसके लिए पंचायतों, नगर निगमों, विद्यालयों और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी जोड़ा गया।

4.1 ग्रामीण क्षेत्र में कार्यान्वयन

ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर शौचालय निर्माण पर विशेष बल दिया गया। सरकार द्वारा प्रत्येक पात्र परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। ग्राम पंचायतों को खुले में शौच मुक्त गांव घोषित करने की जिम्मेदारी दी गई। गांवों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें लोगों को स्वच्छता के लाभ बताए गए।

4.2 शहरी क्षेत्र में कार्यान्वयन

शहरी क्षेत्रों में ठोस कचरा प्रबंधन, कचरा पृथक्करण और सार्वजनिक शौचालय निर्माण पर जोर दिया गया। नगर निगमों को आधुनिक कचरा प्रबंधन तकनीक अपनाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा, प्लास्टिक कचरे को कम करने के लिए अभियान चलाए गए।

4.3 जनभागीदारी

स्वच्छ भारत अभियान की सबसे बड़ी विशेषता जनभागीदारी थी। इसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, सरकारी कर्मचारियों, फिल्म अभिनेताओं, खिलाड़ियों और सामाजिक संगठनों को शामिल किया गया। सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

5. स्वच्छ भारत अभियान की उपलब्धियाँ

स्वच्छ भारत अभियान ने भारत में स्वच्छता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने का प्रयास किया। इसकी प्रमुख उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैं—

5.1 शौचालय निर्माण

अभियान के अंतर्गत करोड़ों शौचालयों का निर्माण किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश परिवारों को शौचालय उपलब्ध कराए गए। इससे खुले में शौच की समस्या में काफी कमी आई।

5.2 खुले में शौच मुक्त भारत

सरकार ने 2019 में भारत को खुले में शौच मुक्त घोषित किया। कई राज्यों और गांवों ने ODF (Open Defecation Free) का दर्जा प्राप्त किया।

5.3 महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान

पहले महिलाओं को खुले में शौच के लिए अंधेरा होने का इंतजार करना पड़ता था, जिससे उनकी सुरक्षा और गरिमा प्रभावित होती थी। घरों में शौचालय बनने से महिलाओं की स्थिति में सुधार हुआ।

5.4 स्वास्थ्य में सुधार

स्वच्छता में सुधार के कारण डायरिया और अन्य संक्रामक रोगों में कमी आई। बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

5.5 स्वच्छता के प्रति जागरूकता

अभियान ने लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई। अब लोग सफाई को केवल सरकार की जिम्मेदारी न मानकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी भी समझने लगे हैं।

6. स्वच्छ भारत अभियान का सामाजिक प्रभाव

स्वच्छ भारत अभियान का भारतीय समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ा।

6.1 व्यवहार परिवर्तन

अभियान ने लोगों की सोच में बदलाव लाने का प्रयास किया। अब लोग सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फैलाने से बचने लगे हैं। विद्यालयों में बच्चों को स्वच्छता का महत्व सिखाया जा रहा है।

6.2 महिलाओं का सशक्तिकरण

शौचालय निर्माण से महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान में वृद्धि हुई। इससे महिलाओं के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

6.3 शिक्षा पर प्रभाव

विद्यालयों में शौचालय बनने से छात्राओं की उपस्थिति में वृद्धि हुई। कई छात्राएँ जो स्वच्छता सुविधाओं के अभाव में स्कूल छोड़ देती थीं, अब नियमित रूप से विद्यालय जाने लगी हैं।

6.4 सामाजिक समानता

स्वच्छता अभियान ने समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर लाने का कार्य किया। इससे सामाजिक सहभागिता और सामुदायिक भावना को बढ़ावा मिला।

7. आर्थिक प्रभाव

स्वच्छ भारत अभियान का आर्थिक क्षेत्र पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा।

1. स्वास्थ्य व्यय में कमी आई।
2. पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिला।
3. कचरा प्रबंधन और सफाई सेवाओं में रोजगार के अवसर बढ़े।
4. स्वच्छ वातावरण से उत्पादकता में वृद्धि हुई।

विश्व बैंक की रिपोर्टों के अनुसार स्वच्छता में सुधार से देश की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होते हैं।

8. स्वच्छ भारत अभियान की चुनौतियाँ

हालांकि स्वच्छ भारत अभियान ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की, लेकिन इसके सामने कई चुनौतियाँ भी रहीं।

8.1 व्यवहार परिवर्तन की समस्या

कुछ क्षेत्रों में लोग शौचालय होने के बावजूद खुले में शौच करना जारी रखते हैं। यह समस्या सामाजिक सोच और परंपराओं से जुड़ी हुई है।

8.2 शौचालयों का रखरखाव

कई सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति खराब है। सफाई और रखरखाव की उचित व्यवस्था न होने से लोग उनका उपयोग नहीं करते।

8.3 कचरा प्रबंधन

शहरी क्षेत्रों में कचरा प्रबंधन अभी भी बड़ी चुनौती बना हुआ है। अधिकांश शहरों में कचरे का वैज्ञानिक निपटान नहीं हो पाता।

8.4 वित्तीय और प्रशासनिक समस्याएँ

कुछ राज्यों में धन की कमी और प्रशासनिक लापरवाही के कारण योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो पाया।

©The Research Dialogue | Received: 01 April 2026 | Accepted: 05 April 2026 | Published: 15 April 2026

9. आलोचनात्मक विश्लेषण

स्वच्छ भारत अभियान को विश्व का सबसे बड़ा स्वच्छता कार्यक्रम कहा जाता है। इसने स्वच्छता को राष्ट्रीय चर्चा का विषय बना दिया। हालांकि, कुछ आलोचकों का मानना है कि अभियान में प्रचार पर अधिक ध्यान दिया गया जबकि कई क्षेत्रों में वास्तविक स्वच्छता सुधार सीमित रहा।

कुछ स्वतंत्र अध्ययनों में पाया गया कि कई गांवों को ODF घोषित करने के बाद भी वहां खुले में शौच की समस्या बनी रही। इसके अलावा, शौचालयों के उपयोग और रखरखाव की समस्या भी सामने आई। फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि इस अभियान ने स्वच्छता के प्रति लोगों की सोच में बड़ा परिवर्तन लाने का कार्य किया।

10. भविष्य की संभावनाएँ

स्वच्छ भारत अभियान की सफलता को स्थायी बनाने के लिए निम्न कदम आवश्यक हैं—

1. स्वच्छता शिक्षा को विद्यालय पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए।
2. कचरा पृथक्करण को अनिवार्य बनाया जाए।
3. ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम लगातार चलाए जाएँ।
4. नगर निकायों की क्षमता को मजबूत किया जाए।
5. प्लास्टिक मुक्त भारत के लिए कठोर कदम उठाए जाएँ।
6. डिजिटल तकनीक के माध्यम से निगरानी प्रणाली को सुदृढ़ किया जाए।

सरकार ने "स्वच्छ भारत मिशन 2.0" के माध्यम से ठोस कचरा प्रबंधन और अपशिष्ट प्रसंस्करण पर विशेष बल दिया है। यह भविष्य में स्वच्छ भारत अभियान को और अधिक प्रभावी बना सकता है।

11. निष्कर्ष

स्वच्छ भारत अभियान भारत के इतिहास का एक महत्वपूर्ण सामाजिक अभियान है। इसने देश में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों की सोच बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शौचालय निर्माण, खुले में शौच की समाप्ति, महिलाओं की सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुधार जैसे क्षेत्रों में इस अभियान ने उल्लेखनीय योगदान दिया है।

हालांकि, केवल शौचालय निर्माण ही पर्याप्त नहीं है। वास्तविक सफलता तब होगी जब लोग स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएँगे। इसके लिए निरंतर जागरूकता, व्यवहार परिवर्तन और प्रभावी प्रशासनिक व्यवस्था आवश्यक है।

स्वच्छ भारत अभियान ने यह सिद्ध किया है कि यदि सरकार और जनता मिलकर कार्य करें तो बड़े सामाजिक परिवर्तन संभव हैं। यह अभियान केवल सफाई कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रतीक बन चुका है।

संदर्भ सूची (References)

1. स्वच्छ भारत मिशन आधिकारिक वेबसाइट
2. भारत सरकार, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय रिपोर्ट
3. विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) रिपोर्ट
4. विश्व बैंक स्वच्छता अध्ययन रिपोर्ट
5. विभिन्न समाचार पत्र एवं शोध आलेख

©The Research Dialogue | Received: 01 April 2026 | Accepted: 05 April 2026 | Published: 15 April 2026

Cite this Article

मनीषा तेजियान[1], डॉ० बबीता गोयल[2], "स्वच्छ भारत अभियान : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन" The Research Dialogue, Open Access Peer-reviewed & Refereed Journal, Pp-524–529, Volume-05, Issue-01, April-2026, https://theresearchdialogue.com/

This is an Open cess Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved.

CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

मनीषा तेजियान[1], डॉ० बबीता गोयल[2]

For publication of Research Paper title

स्वच्छ भारत अभियान : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and E-ISSN: 2583-438X, Volume-05, Issue-01, Month April, Year-2026, Impact Factor (RPRI-4.73)

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Editor- In-chief

Dr. Neeraj Yadav
Executive-In-Chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at: https://theresearchdialogue.com/